आयोजन. आइआइएम में वाजपेयी की जयंती पर परिचर्चा

सामाजिक और आर्थिक बदलाव में बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता : लाल

संवाददाता, रांची

सामाजिक व आर्थिक बदलाव में सुशासित प्रबंधन की जरूरत है. इससे ही सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है. यह बात नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के निदेशक भरत लाल ने कही. वह बतौर मुख्य वक्ता आइआइएम रांची में रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 98वीं जयंती पर आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे. इसका आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी और गवर्नेंस ने किया था. श्री लाल ने अपने अनुभवों से गवर्नेंस यानी शासन की भूमिका पर प्रकाश डाला. साथ ही विभिन्न उदाहरणों से शासन व प्रबंधन के बीच का अंतर साझा किया और जीवन में सुशासन से परिस्थिति में होनेवाले बदलाव से रू-ब-रू कराया.

प्रबंधन कौशल से रोजगार का विकल्प तैयार करें : इस अवसर पर श्री लाल ने विद्यार्थियों से कहा कि प्रबंधन शिक्षा पूरा कर बड़े पैकेज के पीछे नहीं भागें, बल्कि प्रबंधन कौशल से समाज में रोजगार का विकल्प तैयार करें. प्रबंधन के विद्यार्थी छोटे अवसर को बड़े मंच पर एकजुट कर सकते हैं.

आइआइएम में आयोजित परिचर्चा का उद्घाटन करते अतिथि.

इससे एक ही बैनर से बड़ी संख्या में लोगों के बीच रोजगार का सृजन हो सकेगा. भरत लाल ने रोजगार सृजन की जरूरत और विकल्पों को लेकर प्रेरित किया. आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने संस्थान के संचालन में प्रबंधन कौशल से बेहतर माहौल तैयार करने पर जोर दिया. वहीं, अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी और गवर्नेंस के को-चेयरमैन प्रो आदित्य शंकर मिश्रा ने व्यवस्थित शासन के लिए प्रबंधन कैसे जिम्मेवारीपूर्ण परिस्थिति तैयार कर सकता है, उसकी जानकारी दी.कार्यक्रम में आइआइएम रांची के प्राध्यापक प्रो अंगशुमन हजारिका समेत अन्य मौजूद थे.

Prabhat Khabar_26.12.2022_Pg.03